



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 763] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 10, 1989 कार्तिक 19, 1911
No. 763] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 10, 1989/KARTIKA 19, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिरक्षक

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1989

का.आ. 941(अ) :-केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपनी यह राय होने पर कि ऐसा करना आवश्यक है, "विधि विरुद्ध क्रियकलाप (निवारण) अधिनियम" गठित करती है, जिसमें मोहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, श्री न्यायमूर्ति जे. एस. श्रीवास्तव होंगे।

[फा. सं. 11/1/89-एन.ई.-II]

के. के. सिन्हा, संयुक्त सचिव (एन० ई०)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1989

S.O. 941(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of the opinion that it is necessary so to do, hereby, constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shall Justice J. M. Srivastava, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. 11/1/89-NE. I]

K. K. SINHA, Jt. Secy. (NE).